धर्मवीर भारती

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» धर्मवीर भारती का परिचय और साहित्यिक योगदान

प्रश्न 1 (आसान). धर्मवीर भारती का जन्म किस वर्ष और कहाँ हुआ था?
उत्तर – धर्मवीर भारती का जन्म सन् 1926 में इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ था।

प्रश्न 2 (आसान). धर्मवीर भारती द्वारा लिखा गया कोई एक उपन्यास का नाम बताइए।
उत्तर – धर्मवीर भारती द्वारा लिखा गया एक उपन्यास है: 'गुनाहों का देवता'।

प्रश्न 3 (मध्यम). धर्मवीर भारती की कौन-सी रचना एक गीतिनाट्य है?
उत्तर – धर्मवीर भारती की 'अंधा युग' नामक रचना एक गीतिनाट्य है।

प्रश्न 4 (कठिन). धर्मवीर भारती को मिले किन्हीं दो प्रमुख सम्मानों के नाम लिखिए।
उत्तर – धर्मवीर भारती को पद्मश्री और व्यास सम्मान जैसे प्रमुख सम्मान प्राप्त हुए थे।

» भारती जी के लेखन की विशिष्टताएँ

प्रश्न 5 (आसान). भारती जी के लेखन की मुख्य केंद्रीय भावना क्या है?
उत्तर – व्यक्ति स्वातंत्र्य।

प्रश्न 6 (आसान). उनके किस उपन्यास पर हिंदी फ़िल्म बनी है?
उत्तर – सूरज का सातवां घोड़ा।

प्रश्न 7 (मध्यम). 'अंधा युग' किस विधा की रचना है और इसमें क्या दिखाया गया है?
उत्तर – 'अंधा युग' एक गीतिनाट्य है जिसमें स्वतंत्रता के बाद गिरते हुए जीवन मूल्य, अनास्था और युद्धों से उपजे डर को दिखाया गया है।

प्रश्न 8 (कठिन). भारती जी ने 'मानव मूल्य और साहित्य' पुस्तक में किस पर विचार किया है? इसका संबंध उनके लेखन की किस विशिष्टता से है?
उत्तर – इस पुस्तक में उन्होंने समाज-सापेक्षिता को साहित्य के अनिवार्य मूल्य के रूप में विवेचित किया है। यह उनके 'मानवीय संकट के चित्रण' और सामाजिक उत्तरदायित्व की विशिष्टता से संबंधित है।

» प्रमुख कृतियों का संक्षिप्त परिचय

प्रश्न 9 (आसान). धर्मवीर भारती का सबसे लोकप्रिय उपन्यास कौन-सा है?
उत्तर – गुनाहों का देवता

प्रश्न 10 (आसान). 'अंधा युग' किस विधा की रचना है?
उत्तर – गीतिनाट्य

प्रश्न 11 (मध्यम). 'गुनाहों का देवता' की मुख्य विषय-वस्तु क्या है?
उत्तर – 'गुनाहों का देवता' एक सरस और भावप्रवण प्रेम कथा है।

प्रश्न 12 (कठिन). 'अंधा युग' में स्वतंत्रता के बाद के किन मूल्यों और विचारों को दर्शाया गया है?
उत्तर – 'अंधा युग' में स्वतंत्रता के बाद गिरते हुए जीवन मूल्य, अनास्था, मोहभंग, विश्वयुद्धों से उपजा डर और अमानवीयता की अभिव्यक्ति हुई है।

» पत्रकारिता में योगदान और गद्य शैली

प्रश्न 13 (आसान). धर्मवीर भारती जी ने किस पत्रिका का संपादन किया था?
उत्तर – धर्मयुग

प्रश्न 14 (आसान). उनकी गद्य शैली कैसी थी?
उत्तर – सहज और आत्मीय

प्रश्न 15 (मध्यम). धर्मवीर भारती के पत्रकारिता में योगदान का संक्षिप्त वर्णन करें।
उत्तर – धर्मवीर भारती ने 'धर्मयुग' पत्रिका का लंबे समय तक संपादन किया और हिंदी पत्रकारिता को एक गंभीर व मानक स्वरूप प्रदान किया, जिससे इसका स्तर ऊँचा उठा।

प्रश्न 16 (कठिन). धर्मवीर भारती की गद्य शैली को 'सहज' और 'आत्मीय' क्यों कहा जाता है? अपने शब्दों में समझाइए।
उत्तर – उनकी गद्य शैली को 'सहज' इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे कठिन शब्दों से बचते थे और अपनी बात को बहुत ही आसान, सीधी भाषा में कहते थे, जिसे कोई भी पाठक आसानी से समझ सके। 'आत्मीय' इसलिए क्योंकि उनकी भाषा में एक अपनापन होता था, जिससे पाठक को महसूस होता था जैसे लेखक उससे व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर रहा हो, एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बन जाता था।

» संस्मरण 'काले मेघा पानी दे' का परिचय

प्रश्न 17 (आसान). 'काले मेघा पानी दे' क्या है - कहानी, नाटक या संस्मरण?
उत्तर – यह एक संस्मरण है।

प्रश्न 18 (आसान). इस संस्मरण के लेखक कौन हैं?
उत्तर – धर्मवीर भारती।

प्रश्न 19 (मध्यम). इस संस्मरण में किन दो विचारों का टकराव दिखाया गया है?
उत्तर – लोक-विश्वास और विज्ञान।

प्रश्न 20 (कठिन). लेखक के किशोर मन में पानी को लेकर क्या तर्क आता था?
उत्तर – लेखक का किशोर मन भीषण सूखे में इंदर सेना पर पानी डालने को 'निर्मम पानी की बर्बादी' और 'अंधविश्वास' मानता था।

» इंदर सेना/मेढक मंडली: स्वरूप और क्रियाकलाप

प्रश्न 21 (आसान). इंदर सेना के सदस्य किस आयु वर्ग के थे?
उत्तर – 10 से 18 वर्ष

प्रश्न 22 (आसान). इंदर सेना का दूसरा नाम क्या था?
उत्तर – मेढक मंडली

प्रश्न 23 (मध्यम). लोग इंदर सेना पर पानी क्यों फेंकते थे, जबकि पानी की कमी थी?
उत्तर – लोग इसे इंद्र देवता को खुश करने और बारिश लाने के लिए 'त्याग' और 'अर्घ्य' समझते थे, पारंपरिक विश्वास के कारण।

प्रश्न 24 (कठिन). इंदर सेना द्वारा गाए जाने वाले गीत का मुख्य संदेश क्या था, और यह उस समय की स्थिति को कैसे दर्शाता था?
उत्तर – गीत 'काले मेघा पानी दे, गगरी फूटी बैल पियासा, पानी दे, गुड़धानी दे' बारिश की तीव्र इच्छा, प्यासे बैलों और खेतों की दुर्दशा को दर्शाता था। यह बताता था कि पानी न होने से केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन और कृषि भी प्रभावित हो रही थी, और बारिश उनके जीवन की एकमात्र आशा थी।

» लेखक का वैज्ञानिक तर्क और अंधविश्वास के प्रति विरोध

प्रश्न 25 (आसान). लेखक इंदर सेना को पानी देने का विरोध क्यों करते थे?
उत्तर – लेखक इसे पानी की बर्बादी और अंधविश्वास मानते थे, क्योंकि चारों ओर सूखे में पानी की कमी थी।

प्रश्न 26 (आसान). लेखक के किशोर मन में किस तरह के संस्कार थे?
उत्तर – लेखक के किशोर मन में आर्यसमाजी संस्कार थे, जिससे उनमें समाज-सुधार का जोश था।

प्रश्न 27 (मध्यम). लेखक के अनुसार, पानी बर्बाद करने से देश को क्या नुकसान होता है?
उत्तर – लेखक मानते थे कि इस तरह के अंधविश्वासों से पानी की बर्बादी होती है, जिससे देश की बहुत क्षति होती है।

प्रश्न 28 (कठिन). इस प्रसंग में लेखक के वैज्ञानिक तर्क और जीजी के विश्वास के बीच क्या द्वंद्व दिखाई देता है?
उत्तर – लेखक का वैज्ञानिक तर्क पानी की बर्बादी और अंधविश्वास के खिलाफ था, जबकि जीजी का विश्वास धार्मिक रीति-रिवाजों और लोक-परंपराओं में था कि इससे बारिश होगी। यह विज्ञान और लोक-विश्वास के बीच का द्वंद्व है।

» जीजी के लोक-विश्वास और सांस्कृतिक दृष्टिकोण

प्रश्न 29 (आसान). जीजी इंदर सेना को पानी देने को क्या मानती थीं?
उत्तर – जीजी इसे 'त्याग' और 'बुवाई' मानती थीं।

प्रश्न 30 (आसान). जीजी के अनुसार, क्या चीज़ देने से फल मिलता है?
उत्तर – जीजी के अनुसार, 'त्याग' करके दान देने से फल मिलता है।

प्रश्न 31 (मध्यम). जीजी ने लेखक को दान के बारे में क्या समझाया?
उत्तर – जीजी ने समझाया कि अगर आपके पास लाखों रुपये हैं और आप उसमें से 2-4 रुपये देते हैं तो वह त्याग नहीं है। त्याग तो वह है जब आपके पास खुद भी कोई चीज़ कम हो, लेकिन आप अपनी ज़रूरत पीछे रखकर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दें।

प्रश्न 32 (कठिन). जीजी के लोक-विश्वास और सांस्कृतिक दृष्टिकोण की तुलना लेखक के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से करते हुए, दोनों के तर्कों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – लेखक का वैज्ञानिक दृष्टिकोण था कि पानी की कमी के समय पानी बर्बाद करना अंधविश्वास है। जीजी का लोक-विश्वास और सांस्कृतिक दृष्टिकोण था कि इंद्र भगवान को पानी का अघ्य चढ़ाना 'त्याग' और 'बुवाई' है। उनके अनुसार, किसान जैसे गेहूँ बोकर अधिक फसल पाता है, वैसे ही पानी 'बोने' से बारिश की फसल मिलेगी। वे 'दान' और 'त्याग' को अत्यधिक महत्व देती थीं, यह मानते हुए कि बिना त्याग के कुछ नहीं मिलता।

» त्याग और दान का महत्व: जीजी की व्याख्या

प्रश्न 33 (आसान). इंदर सेना को पानी चढ़ाना जीजी के अनुसार क्या था?
उत्तर – त्याग और दान।

प्रश्न 34 (आसान). जीजी ने दान को क्या बताया?
उत्तर – सबसे ऊंचा।

प्रश्न 35 (मध्यम). एक किसान के गेहूँ बोने के उदाहरण से जीजी क्या समझाना चाहती थीं?
उत्तर – कि कुछ पाने के लिए पहले कुछ देना पड़ता है, यही बुवाई और त्याग है।

प्रश्न 36 (कठिन). लेखक को क्या लगता था कि 'त्याग' सिर्फ़ क्या होता है, और जीजी ने इसमें क्या अंतर बताया?
उत्तर – लेखक को लगता था कि लाखों-करोड़ों में से दो-चार रुपये देना दान है। जीजी ने समझाया कि असली त्याग वह है जब आप अपनी ज़रूरत की चीज़ दूसरे को दें।

» बुवाई का सिद्धांत: जीजी का ग्रामीण उदाहरण

प्रश्न 37 (आसान). बुवाई का सिद्धांत किससे जुड़ा है?
उत्तर – कुछ देने और कुछ पाने से।

प्रश्न 38 (आसान). किसान क्या बोकर गेहूँ की फसल पाता है?
उत्तर – अच्छा गेहूँ (बीज)।

प्रश्न 39 (मध्यम). इंद्र सेना पर पानी फेंकने को जीजी ने 'बुवाई' क्यों कहा?
उत्तर – क्योंकि यह एक तरह का त्याग है, जो बारिश लाने का काम करता है।

प्रश्न 40 (कठिन). बुवाई के सिद्धांत को अपने शब्दों में समझाते हुए, यह बताओ कि लेखक को यह बात इतनी गहरी क्यों लगी होगी?
उत्तर – बुवाई का सिद्धांत बताता है कि जब हम स्वेच्छा से कुछ देते हैं (जैसे किसान बीज बोता है या हम इंद्र सेना को पानी देते हैं), तो बदले में हमें उससे कहीं ज़्यादा मिलता है (जैसे फसल या बारिश)। लेखक को यह बात गहरी लगी होगी क्योंकि यह सिर्फ़ अंधविश्वास नहीं, बल्कि जीवन के एक बड़े सत्य – त्याग और प्रतिफल – को दर्शाती है, जो आधुनिक समाज में स्वार्थ बढ़ने के कारण कम हो गया है।

» लोक-विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का समापन

प्रश्न 41 (आसान). लेखक इंदर सेना पर पानी फेंकने को क्या मानते थे?
उत्तर – पानी की बर्बादी और अंधविश्वास।

प्रश्न 42 (आसान). जीजी इंदर सेना को पानी देने को क्या मानती थीं?
उत्तर – त्याग और पानी का अर्घ्य।

प्रश्न 43 (मध्यम). लेखक के 'तर्कों का किला पस्त' होने का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि लेखक के वैज्ञानिक तर्क, जो उन्होंने मन में बना रखे थे, जीजी के भावनात्मक और धार्मिक तर्कों के सामने कमज़ोर पड़ गए, और वे उनका खंडन नहीं कर पाए।

प्रश्न 44 (कठिन). क्या लेखक का जीजी के तर्कों के सामने झुकना वैज्ञानिक सोच की हार थी? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – यह वैज्ञानिक सोच की हार नहीं थी, बल्कि मानव संबंधों, विशेषकर प्रेम और विश्वास की जीत थी। लेखक जीजी के स्नेह और भावनाओं का सम्मान करते हुए, उनके लोक-विश्वासों को स्वीकार करते हैं, भले ही वे व्यक्तिगत रूप से उनसे सहमत न हों। यह दिखाता है कि जीवन में केवल तार्किक सत्य ही सब कुछ नहीं होता, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक मूल्य भी महत्वपूर्ण होते हैं।

» वर्तमान संदर्भ में पाठ की प्रासंगिकता और आत्म-चिंतन

प्रश्न 45 (आसान). लेखक ने देश के लिए किस चीज़ की कमी बताई है?
उत्तर – त्याग की कमी।

प्रश्न 46 (आसान). लेखक किस बात पर चटखारे लेने की बात करते हैं?
उत्तर – दूसरों के भ्रष्टाचार की।

प्रश्न 47 (मध्यम). लेखक के अनुसार, 'गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं' - इस पंक्ति का वर्तमान संदर्भ में क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि हम बहुत कुछ पाने की उम्मीद तो करते हैं, बड़े-बड़े काम शुरू भी करते हैं, लेकिन हमारी नीयत या प्रयास सही न होने के कारण परिणाम कुछ नहीं निकलता। समस्याएँ वैसी की वैसी ही बनी रहती हैं, जैसे पानी बरसने के बाद भी गगरी खाली और बैल प्यासे रह गए।

प्रश्न 48 (कठिन). धर्मवीर भारती का आत्म-चिंतन आज के युवाओं के लिए किस प्रकार प्रेरणादायक हो सकता है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर – धर्मवीर भारती का आत्म-चिंतन आज के युवाओं को यह सोचने पर मजबूर करता है कि वे देश और समाज के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। यह उन्हें केवल सरकार या दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय, खुद अपने स्तर पर ज़िम्मेदारी लेने और बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। उदाहरण के लिए, अगर युवा 'जल संकट' पर चिंतन करें, तो वे अपने मोहल्ले या स्कूल में जल संरक्षण के छोटे-छोटे अभियान चला सकते हैं, जैसे वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना या पानी की बर्बादी रोकना। यह उन्हें स्वार्थ छोड़कर सामूहिक भलाई के लिए काम करने की प्रेरणा देगा।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. धर्मवीर भारती की किन्हीं दो प्रमुख रचनाओं और उनकी विधा (Genre) का उल्लेख कीजिए।

› पहला, हम उनकी सबसे प्रसिद्ध उपन्यास 'गुनाहों का देवता' को याद कर सकते हैं, जिसकी विधा 'उपन्यास' है।

› दूसरा, उनका गीतिनाट्य 'अंधा युग' है, जिसकी विधा 'गीतिनाट्य' है।

› हम चाहें तो उनकी कविता संग्रह 'कनुप्रिया' या निबंध संग्रह 'ठेले पर हिमालय' भी बता सकते हैं।

उत्तर – धर्मवीर भारती की दो प्रमुख रचनाएँ हैं: 1. 'गुनाहों का देवता' (उपन्यास) और 2. 'अंधा युग' (गीतिनाट्य)।

उदाहरण 2. धर्मवीर भारती जी के लेखन की किन्हीं तीन प्रमुख विशिष्टताओं को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

› पहला, उनके लेखन में 'व्यक्ति स्वातंत्र्य' यानी व्यक्ति की आज़ादी को बहुत महत्व दिया गया है। वे मानते थे कि हर इंसान को अपनी मर्ज़ी से जीने का हक़ है, चाहे समाज की बंदिशें कुछ भी हों। उदाहरण के लिए, उनके कई किरदार सामाजिक रूढ़ियों को तोड़कर अपनी राह चुनते हैं।

› दूसरा, उन्होंने 'मानवीय संकट' और समस्याओं को गहराई से समझा और अपनी रचनाओं में चित्रित किया। जैसे 'अंधा युग' में उन्होंने युद्ध के बाद पैदा हुई निराशा और मानवीय मूल्यों के पतन को दिखाया है।

› तीसरा, उनके लेखन में 'रोमानी चेतना' यानी प्रेम, सौंदर्य और भावनाओं की प्रधानता मिलती है। उनका उपन्यास 'गुनाहों का देवता' इसका सबसे अच्छा उदाहरण है, जहाँ प्रेम को एक मीठे और भावुक अंदाज़ में प्रस्तुत किया गया है।

उत्तर – धर्मवीर भारती जी के लेखन की प्रमुख विशिष्टताएँ व्यक्ति स्वातंत्र्य, मानवीय संकट का चित्रण और रोमानी चेतना हैं, जो उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप से दिखती हैं।

उदाहरण 3. धर्मवीर भारती के उपन्यास 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की मुख्य विषय-वस्तु क्या है?

› सबसे पहले, याद करो कि 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' किस तरह की रचना थी - एक उपन्यास।

› अब सोचो कि इस उपन्यास में उन्होंने समाज के किस वर्ग की बात की थी। याद है, उन्होंने आम लोगों के जीवन के संघर्ष दिखाए थे।

› तो इसकी मुख्य विषय-वस्तु थी 'प्रेम को केंद्र में रखकर निम्न-मध्यवर्ग की हताशा, आर्थिक संघर्ष और नैतिक विचलन' को दर्शाना।

उत्तर – 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की मुख्य विषय-वस्तु प्रेम को केंद्र में रखकर निम्न-मध्यवर्ग की हताशा, आर्थिक संघर्ष, नैतिक विचलन और अनाचार का चित्रण है।

उदाहरण 4. धर्मवीर भारती ने किस प्रसिद्ध साप्ताहिक पत्रिका का संपादन किया और उनकी गद्य शैली की दो विशेषताएँ बताइए?

› पहला बिंदु है उनकी पत्रकारिता का योगदान।

› उन्होंने 'धर्मयुग' नामक साप्ताहिक पत्रिका का संपादन किया।

› दूसरा बिंदु है उनकी गद्य शैली की विशेषताएँ।

› उनकी शैली सहज और आत्मीय थी।

› वह सरल और प्रवाहमयी थी, जैसे पाठक से सीधे बात कर रहे हों।

उत्तर – धर्मवीर भारती ने 'धर्मयुग' नामक प्रसिद्ध साप्ताहिक पत्रिका का संपादन किया। उनकी गद्य शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं - यह सहज, सरल और प्रवाहमयी थी, तथा इसमें आत्मीयता थी, जिससे पाठक सीधा जुड़ाव महसूस करते थे।

उदाहरण 5. संस्मरण 'काले मेघा पानी दे' में किस मुख्य द्वंद्व को दर्शाया गया है?

› पहले हम ये देखते हैं कि संस्मरण का विषय क्या है। ये सूखे और पानी की कमी के समय की बात है।

› इसमें एक तरफ गाँव के बच्चे हैं जो 'इंदर सेना' बनकर पानी की गुहार लगाते हैं और लोग उनपर पानी डालते हैं। यह लोक-प्रचलित विश्वास है।

› दूसरी तरफ लेखक का 'किशोर मन' है जो इसे पानी की बर्बादी मानता है और वैज्ञानिक तर्क देता है। यह विज्ञान का पक्ष है।

› तो, इन दोनों के बीच ही मुख्य टकराव है।

उत्तर – 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लोक-प्रचलित विश्वास (बारिश के लिए इंदर सेना पर पानी डालना) और विज्ञान (पानी की बर्बादी) के बीच के द्वंद्व को दर्शाया गया है।

उदाहरण 6. इंदर सेना के स्वरूप का वर्णन करते हुए उनके मुख्य क्रियाकलापों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

› पहले इंदर सेना के सदस्यों का वर्णन करें: वे कौन थे? उनकी उम्र क्या थी? वे कैसे कपड़े पहनते थे?

› फिर उनके नाम पर आएँ: उन्हें 'इंदर सेना' और 'मेढक मंडली' क्यों कहा जाता था? दोनों नामों के पीछे क्या कारण थे?

› उनके क्रियाकलापों को बताएँ: वे क्या करते थे? कौन-सा गीत गाते थे? पानी कैसे माँगते थे?

› उनके पानी माँगने के तरीके और सामाजिक प्रतिक्रिया को समझाएँ: लोग उन पर पानी क्यों डालते थे, भले ही खुद पानी की कमी हो?

उत्तर – इंदर सेना 10 से 18 साल के लड़कों की टोली थी जो सिर्फ एक जाँघिया या लंगोटी पहनकर नंगे बदन घूमते थे। जो लोग उनके हुड़दंग और कीचड़ से चिढ़ते थे, वे उन्हें 'मेढक मंडली' कहते थे, जबकि वे खुद को इंद्र देवता की सेना मानते थे। भीषण गर्मी और सूखे में, वे 'बोल गंगा मैया की जय!' का नारा लगाते हुए घर-घर जाते थे और 'काले मेघा पानी दे, गगरी फूटी बैल पियासा' जैसे गीत गाते हुए पानी माँगते थे। लोग श्रद्धापूर्वक उन पर बाल्टी भर-भर पानी डालते थे, जिस पर वे कीचड़ में लोटपोट हो जाते थे। उनका मुख्य क्रियाकलाप इंद्र देवता को प्रसन्न कर बारिश के लिए प्रार्थना करना था, जो उस समय के ग्रामीण समाज का एक महत्त्वपूर्ण पारंपरिक विश्वास था।

उदाहरण 7. लेखक ने इंदर सेना पर पानी फेंकने को किस रूप में देखा और क्यों?

› लेखक के मन में बचपन से ही आर्यसमाजी संस्कार थे और वे 'कुमार-सुधार सभा' के उपमंत्री थे।

› इन्हीं संस्कारों के कारण उनके अंदर समाज-सुधार और वैज्ञानिक सोच का जोश था।

› सूखे के समय इंदर सेना पर पानी फेंकने को वे पानी की 'निर्मम बरबादी' मानते थे।

› उनका तर्क था कि जब खुद देश में पानी की इतनी कमी है, तो इस तरह बहुमूल्य पानी बर्बाद करना अंधविश्वास है और देश की क्षति है।

› वे सोचते थे कि अगर इंदर सेना सच में इंद्र महाराज से पानी दिलवा सकती है, तो अपने लिए क्यों नहीं मांग लेती?

उत्तर – लेखक ने इंदर सेना पर पानी फेंकने को 'निर्मम बरबादी' और 'अंधविश्वास' माना, क्योंकि उनके पास वैज्ञानिक तर्क था कि सूखे में पानी बचाना चाहिए, न कि उसे यूं ही बर्बाद करना चाहिए।

उदाहरण 8. लेखक और जीजी के विचारों में इंदर सेना पर पानी फेंकने को लेकर क्या मुख्य अंतर था और जीजी ने इसे कैसे समझाया?

› पहला कदम, लेखक का विचार समझना: लेखक इसे पानी की बर्बादी और अंधविश्वास मानते थे क्योंकि पानी की कमी थी।

› दूसरा कदम, जीजी का विचार समझना: जीजी इसे 'त्याग' और 'बुवाई' मानती थीं।

› तीसरा कदम, जीजी के तर्क को गहराई से समझना: उन्होंने कहा कि अगर हमें ज़्यादा फसल चाहिए तो पहले बीज बोना पड़ता है। उसी तरह, इंद्र भगवान से पानी पाने के लिए हमें पहले 'पानी की बुवाई' करनी पड़ेगी।

› चौथा कदम, दान और त्याग का महत्व: जीजी ने समझाया कि यह पानी का अघ्र्य है, और बिना त्याग के दान नहीं होता। असली त्याग तब है जब हम अपनी ज़रूरत से ज़्यादा दूसरों को देते हैं, तभी हमें फल मिलता है।

› पांचवां कदम, निष्कर्ष: लेखक इसे वैज्ञानिक नज़रिए से देखते थे, जबकि जीजी इसे लोक-विश्वास, सांस्कृतिक परंपरा और त्याग की भावना से देखती थीं।

उत्तर – लेखक इंदर सेना पर पानी फेंकने को पानी की बर्बादी और अंधविश्वास मानते थे, जबकि जीजी इसे 'त्याग' और 'बुवाई' का कार्य मानती थीं। उनके अनुसार, जिस चीज़ की हमें ज़रूरत है, उसे पहले दूसरों के लिए छोड़ना ही सच्चा त्याग

है और इसी से फल मिलता है। यह पानी की बुवाई है, जिससे हमें बारिश की फसल मिलेगी।

उदाहरण 9. अगर मेरे पास सिर्फ़ एक रोटी बची है और एक भूखा बच्चा सामने है, तो जीजी के अनुसार उसे रोटी देना 'त्याग' क्यों कहलाएगा?

› पहला कदम: जीजी के अनुसार, 'त्याग' वह होता है जब आपके पास भी किसी चीज़ की कमी हो, पर आप अपनी ज़रूरत को किनारे रखकर दूसरे की भलाई के लिए उसे दे दें।

› दूसरा कदम: यहाँ आपके पास भी 'सिर्फ़ एक रोटी' है, यानी आपकी अपनी ज़रूरत भी है।

› तीसरा कदम: लेकिन आप अपनी ज़रूरत से पहले भूखे बच्चे को वह रोटी देते हैं।

› निष्कर्ष: इसलिए, यह अपनी ज़रूरत को पीछे रखकर दूसरे की मदद करना हुआ, जो कि जीजी के बताए 'त्याग' का सटीक उदाहरण है।

उत्तर – क्योंकि यह अपनी ज़रूरत से पहले दूसरे की मदद करना है, जब आपके पास खुद भी कमी हो।

उदाहरण 10. जीजी के 'बुवाई के सिद्धांत' के अनुसार, इंद्र सेना पर पानी फेंकना 'बुवाई' कैसे है?

› जीजी कहती हैं कि किसान अच्छा गेहूँ बोता है (देता है) ताकि उसे बड़ी फसल मिले।

› ठीक इसी तरह, जब हम इंद्र सेना पर पानी फेंकते हैं, तो यह पानी हमारा 'त्याग' है।

› यह त्याग किया गया पानी 'बीज' का काम करता है, जिसे हम गली-मोहल्लों में 'बोते' हैं।

› इस 'पानी के बीज' को बोने से, जीजी के अनुसार, हमें काले बादलों की 'फसल' मिलती है, यानी बारिश आती है।

उत्तर – इंद्र सेना पर पानी फेंकना एक त्याग है, जो बीज की तरह काम करता है और बदले में बारिश की फसल लेकर आता है।

उदाहरण 11. पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक के वैज्ञानिक तर्क, जीजी के लोक-विश्वासों के आगे पस्त क्यों हो गए?

› पहला कदम, लेखक के तर्क क्या थे? वे पानी की बर्बादी मानते थे, अंधविश्वास मानते थे कि इंद्र सेना पानी नहीं ला सकती। वे पढ़े-लिखे थे और वैज्ञानिक सोच रखते थे।

› दूसरा कदम, जीजी के तर्क क्या थे? वे इसे पानी का अर्घ्य और त्याग मानती थीं, जिससे बदले में बारिश आती है। वे इसे 'बुवाई' का सिद्धांत कहती थीं और दान का महत्व समझाती थीं।

› तीसरा कदम, द्वंद्व कहां था? लेखक सोचते थे कि जीजी की बातें 'ढकोसला' हैं, लेकिन वे जीजी से बहुत प्यार करते थे। जीजी ने उन्हें बचपन से पाला था और उनका हर काम लेखक के बिना अधूरा था।

› चौथा कदम, समापन कैसे हुआ? लेखक के तर्क, जीजी के सहज प्रेम और अथक विश्वास के आगे कमज़ोर पड़ गए। लेखक ने भले ही मन ही मन उनके तर्कों से सहमत न हो, पर जीजी की संतुष्टि और उनके प्रति प्रेम के लिए उन्होंने उन रीति-रिवाजों को स्वीकार किया।

› पांचवा कदम, लेखक इस अनुभव से क्या सीखते हैं? लेखक समझते हैं कि सिर्फ विज्ञान का सत्य ही सब कुछ नहीं होता, सहज प्रेम और विश्वास का रस भी जीवन में उतना ही महत्वपूर्ण है।

उत्तर – लेखक के वैज्ञानिक तर्क जीजी के लोक-विश्वासों के आगे पस्त हो गए क्योंकि लेखक अपने बचपन के सबसे प्रिय व्यक्ति, जीजी के प्रेम और उनके अटूट विश्वास को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। यह तर्क की हार नहीं, बल्कि प्रेम की जीत थी, जहाँ उन्होंने जीजी के मन की शांति के लिए अपने विचारों का त्याग किया।

उदाहरण 12. धर्मवीर भारती ने अपने आत्म-चिंतन में जिन तीन मुख्य सामाजिक समस्याओं का ज़िक्र किया है, उनमें से किसी एक को वर्तमान संदर्भ में समझाएँ।

› पहला, हम लेखक के 'स्वार्थ' वाले बिंदु को लेते हैं।

› लेखक कहते हैं कि आज अपना स्वार्थ ही एकमात्र लक्ष्य रह गया है।

› वर्तमान संदर्भ में, हम देखते हैं कि लोग अक्सर अपने छोटे से फायदे के लिए बड़े नियमों को तोड़ने से भी नहीं हिचकिचाते। जैसे, परीक्षा में नकल करना ताकि अच्छे नंबर आ जाएँ, चाहे इससे दूसरों का हक मारा जाए।

› या फिर, अपनी छोटी सी दुकान के लिए मिलावट करना, भले ही वह लोगों की सेहत के लिए हानिकारक हो।

› यह सब 'स्वार्थ' का ही उदाहरण है, जहाँ व्यक्ति समाज से पहले खुद को रखता है।

› तो लेखक हमें यही समझा रहे हैं कि ये जो स्वार्थ की प्रवृत्ति है, ये बहुत खतरनाक है और हमें इस पर सोचना चाहिए।

उत्तर – लेखक के आत्म-चिंतन में 'स्वार्थ' एक बड़ी समस्या है। वर्तमान में, लोग अपने निजी फायदे के लिए नियमों की

अनदेखी करते हैं या दूसरों का नुकसान करने से भी नहीं हिचकिचाते, जो समाज के लिए हानिकारक है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड परीक्षा में धर्मवीर भारती जी के जन्म स्थान, किन्हीं दो प्रमुख रचनाओं के नाम और उनकी विधा, तथा प्राप्त सम्मानों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। इन बिंदुओं को अच्छे से याद कर लेना।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर इन कृतियों के नाम और उनकी विषय-वस्तु पर सीधे प्रश्न आते हैं। खास कर 'अंधा युग' और 'गुनाहों का देवता' पर लघु उत्तरीय प्रश्न भी बन सकते हैं।

• यह संस्मरण बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें लोक-विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं। जीजी और लेखक के तर्कों को ध्यान से समझना और उन्हें अपने शब्दों में व्यक्त करना सीखो।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि इंदर सेना को कौन-कौन से नामों से पुकारा जाता था और क्यों, इसलिए इस पर ध्यान दें।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर यह प्रश्न आता है कि लेखक के वैज्ञानिक तर्क और जीजी के विश्वास के बीच के अंतर को स्पष्ट करें। इसे ध्यान से समझो।

• यह अंश बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर आधारित प्रश्न आते हैं कि जीजी ने त्याग और दान की क्या परिभाषा दी या उन्होंने इंद्र सेना को पानी देना कैसे सही ठहराया। उनके तर्कों को ध्यान से समझना।

• यह प्रश्न 'जीजी के तर्क' और 'त्याग के महत्व' को समझाने में सीधा पूछा जा सकता है। उदाहरण के साथ विस्तार से समझाना।

• यह पाठ बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। द्वंद्व के कारणों, जीजी के तर्कों और लेखक के समर्पण को उदाहरण सहित समझाना सीखो। अक्सर पूछा जाता है कि 'विज्ञान का सत्य बड़ा है या सहज प्रेम का रस?'

एक नज़र में रिवीज़न

› धर्मवीर भारती: जन्म 1926, इलाहाबाद। उपन्यास: गुनाहों का देवता। गीतिनाट्य: अंधा युग। सम्मान: पद्मश्री, व्यास।
› भारती जी की मुख्य कृतियाँ: गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा, अंधा युग।
› संस्मरण 'काले मेघा पानी दे' में लोक-विश्वास और विज्ञान का द्वंद्व चित्रित है।
› इंदर सेना: सूखे में बारिश के लिए 10-18 वर्ष के लड़कों की टोली का पारंपरिक जल-त्याग अनुष्ठान।
› लेखक का किशोर मन पानी की बर्बादी को अंधविश्वास मानता था, वैज्ञानिक तर्क से विरोध।
› जीजी के अनुसार, इंदर सेना को पानी देना त्याग और दान है, पाने के लिए देना।
› त्याग रूपी 'बुवाई' से ही बदले में फल रूपी 'फसल' मिलती है।
› विज्ञान vs लोक-विश्वास: लेखक का द्वंद्व, जीजी के प्रेम हेतु समर्पण।